BRANDING & IMAGE BUILDING

POLITICAL BRANDING & IMAGE BUILDING

"YOUR POLITICAL IMAGE LARGER THAN YOUR POLITICS"

Transforming Your Image Into Iconic Leader,Making Yourself Larger Than Your Politics where Political Competition Becomes Too Small For You . Political Branding & Image Building Is A Continuous Process So That, In Mind Of Voters A Permanent micro Vita Impressions Can Be Printed. Branding & Image Building Is Such A tool which Always Helps You / Your Party To Maintain Victorious Status Quo No Matter Party Is Loosing Elections. The Next Benefit Of Our Services Is That It Develops A Permanent Political Relation With Your Voters.

We Provide This Services To Both Political Party & Individual Politicians.It Helps To Build Your Strong Political Reputation Among Your Rival so That You Naturally Accepted As First Preference.

BENEFITS OF POLITICAL BRANDING / IMAGE BUILDINGS

1. Developing Permanent Bonding Among You & Your Voters.We carefully Analyse The different Types Of Bonding Factors Which Develops A Favor For You In Voter Mind & Works To Strengthen Those Bonding Factors.
2. Correcting The Past Damage Political Image Due To Own Mistakes Or due To rival Political Party's Attempts.

3. Making The Your Career Free From Spots.
4. Establishing Your Party / You As Most Influential & First Choice For Public In Filed Of Politics.
5. A Positive Image Only Van Makes You True Leader – Let The Follower Accepts You As Their Leader.
6. A Long Term Solution For Repeated Success No Matter What-ever Changes Are There In Political Environment.

AK MISHRA – POLITICAL BRANDING, IMAGE BUILDING &

MASS PUBLIC PERCEPTION CHANGE MANAGEMENT @

www.politicalconsultant.in

AK MISHRA'S POLITICAL CONSULTING
TURN VOTERS IN UR FAVOR - http://politicalconsultant.net.in

अभी से करनी होगी अगले चुनाव की तैयारी

एजेंसी ■ जयपुर

चुनाव जीतना है तो हार के बाद से ही तैयारी शुरू कर देना चाहिए राजनैतिक पार्टियों को, ऐसा कहना है पोल स्ट्रेटेजिस्ट एके मिश्र जी का। पोलिटिकल कंसल्टिंग की दुनिया में एके मिश्र जी का मानना है की चुनाव में विजय, वोटर के राजनैतिक व्यवहार के मैनेजमेंट और मतदाताओ के पोलिटिकल परसेप्शन के मैनेजमेंट से होती है न की मीडिया, रैली और इवेंट मैनेजमेंट से। मीडिया, रैली और इवेंट मैनेजमेंट से मात्र शोरगुल और हल्लागुल्ला तो मचाया जा सकता है पर अंतिम रूप से वोटर को अपने पक्ष में नहीं किया जा सकता है। इस तथ्य के पीछे छुपे पोलिटिकल माइक्रो डायनामिक्स की सटीक व्याख्या करते हुए श्री मिश्र ने बताया की, सवाल ये है की वोटर आपको क्यों चुने ? हो सकता है की उसकी वर्षों पुरानी अवधारणा आपके बारे नकारात्मक हो या फिर आपकी सकारात्मक अवधारणा बदल गई हो ! राजनैतिक अवधारणा को बनाना एक नितांत गूढ़ विषय है और इसके लिए विशेष एक्सपर्टीज की जरुरत होती है ! सबसे बड़ी बात ये है की ये मात्र दो तीन महीने के कैंपेनिंग से बनने वाली नहीं होती है इसके लिए सतत प्रयास करना होता है ! चुनाव पूर्व मात्र दो तीन महीने की कैंपेनिंग से मात्र आपकी सूचना या फिर विचार तो सब तक पहुचाये जा सकते है परंतु आपके उन विचारो से वोटर कितना प्रभावित होता है या फिर कितना वो आपके विचारो को ग्रहण करता है ये कहना मुश्किल है। पोलिटिकल कंसल्टिंग की दुनिया में तेजी से उभरते हुए इस सितारे का कहना है की शायद भारतीय पोलिटिकल कंसल्टिंग और राजनीती का प्रबंधन ही दुनिया का सबसे कठिन विषय है जहा पर अनिश्चितता सबसे ज्यादा होती है, जहां पर सिद्धान्त हमेशा ही बदलते रहते है । सबसे बड़ी चुनौती तेजी से और अदृश्य रूप से हो रहे बदलावों को सिमित समय में और दुरुत गति से मैनेज करना। जब बदलाव बहुत तेजी से हो और अदृश्य हो तो एक बहुत मामूली सी गलती भी पूरे परिणाम को बदल कर रख देती है ! और यही पर बड़े बड़े रड़नीतिकर और दिग्गज पार्टिया गलती कर बैठते हैं। चुकी ये सारी प्रक्रिया हमेशा हर दिन होती रहती है अतः दलो और नेताओ को भी ये अब समझ लेना चाहिए कि अगर मनोवांछित परिणाम आगे के चुनावों में लाने हैं तो हर दिन काम करना और अभी से अगले चुनाव की तैयारी करना होगी।